RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 23 डिग्री
न्युनतम तापमान 09 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 22 डिग्री
न्युनतम तापमान 08 डिग्री

मंगलवार 02 दिसंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :56 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 046 | गाजियाबाद, मंगलवार 02 दिसंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

एफसीआरए मामले में महाराष्ट्र के ट्रस्ट, यमनी नागरिक के खिलाफ ईडी ने की छापेमारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र स्थित एक ट्रस्ट के खिलाफ एफसीआरए 'उल्लंघन' मामले में सोमवार को कई स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम (जेआईआईयू) और एक यमनी नागरिक अल-खदामी खालिद इब्राहिम सालेह और अन्य के मामले में नंदुरबार जिले और मुंबई में स्थित परिसरों पर छापे मारे गए। यह जांच इस साल अप्रैल में आरोपियों के खिलाफ दायर राज्य पुलिस के आरोपपत्र से शुरू हुई है। अधिकारियों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिनांक 15.07.2024 के अपने आदेश के जरिए जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम ट्रस्ट के विदेशी चंदा विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। यह पाया गया कि जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम ट्रस्ट अन्य गैर-एफसीआरए पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को विदेशी योगदान निधि देने में शामिल है।

जेआईआईयू मामला : ईडी ने महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर छापे मारे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को महाराष्ट्र में जमिया इस्मालिया इशातुल उलूम (जेआईआईयू) ट्रस्ट से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की। विदेशी चंदे के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत नंदुरबार और मुंबई में कुल 12 ठिकानों पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच एक एफआईआर और 11 अप्रैल 2024 को दाखिल चार्जशीट के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। आरोप है कि ट्रस्ट और यमनी नागरिक अल-खदामी खालिद इब्राहिम सालेह सहित अन्य ने विदेशी फंड के उपयोग और वितरण में नियमों का उल्लंघन किया। गृह मंत्रालय ने 15 जुलाई 2024 को इस ट्रस्ट का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया था। मंत्रालय की जांच में पता चला था कि ट्रस्ट ने विदेशी दान उन संस्थाओं को स्थानांतरित किए जो एफसीआरए के तहत पंजीकृत नहीं थीं, जो नियमों के विरुद्ध है।

वक्फ संपत्ति पंजीकरण करने की समय सीमा नहीं बढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें। पीठ ने कहा कि हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता देते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया है।

आपदा तैयारी संबंधी याचिका पर केंद्र को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से एक याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिका में अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में जरूरी बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ एक ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था।

लोस में SIR को लेकर विपक्ष का हंगामा, सत्र स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हुआ, लेकिन लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच बाधित रही। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्रीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी।

दूसरी ओर, राज्यसभा की कार्यवाही फिलहाल सुचारू रूप से चल रही है। सत्र की शुरुआत में लोकसभा में पूर्व सांसद कर्नल सोना राम चौधरी, विजय कुमार मल्होत्रा, रवि नाइक, धर्मेंद्र और श्रीप्रकाश जायसवाल सहित 5 पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक जताया गया। सदन ने उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शोक प्रशताव के बाद जैसे ही सदन की नियमित कार्यवाही शुरू हुई और विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे को लेकर हंगामा करते हुए अध्यक्षीय आसन (वेल) के पास आ गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन चर्चा और संवाद का मंच है और इसे शांतिपूर्वक चलने देना चाहिए, लेकिन उनकी अपील का असर नहीं हुआ और विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे।

लगातार हंगामे को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही शुरू होने के लगभग 20 मिनट बाद ही सदन को अगले एक घंटे यानी 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन विपक्ष का विरोध जारी रहा।

सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे और एसआईआर को लेकर अपना विरोध दोहराते रहे। अव्यवस्था के चलते अध्यक्ष को एक बार फिर सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और इसे 2 बजे तक के लिए रोक दिया गया। हालांकि, राज्यसभा की कार्यवाही जारी है।

शुरुआती बढ़त खोकर लगातार दूसरे दिन लुढ़के शेयर बाजार

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और शुरुआती कारोबार में नया रिकॉर्ड बनाने के बाद प्रमुख सूचकांक अंत में लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 64.77 अंक (0.08 प्रतिशत) लुढ़ककर 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। पहले घंटे में ही यह 452 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड श्तर पर पहुंच गया था, लेकिन दोपहर बाद हुई बिकवाली से टूट गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 27.20 प्रतिशत यानी 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, बीच कारोबार में इसने 26,325.80 अंक के नये रिकॉर्ड श्तर को छुआ।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 28 नवंबर को जारी आंकड़ों के बाद सुबह बाजार में तेजी रही।

हालांकि बाद में यूरोपीय बाजारों में रही गिरावट से घरेलू निवेशकों की धारणा भी प्रभावित हुई। बड़ी कंपनियों के विपरीत छोटी कंपनियों में तेजी रही।

एनएसई के सूचकांकों में ऑटो, धातु और आईटी में लिवाली का जोर रहा जबकि रियलिटी, फार्मा, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता समूहों के सूचकांकों में गिरावट रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर करीब दो प्रतिशत चढ़े।

कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी और बीईएल के शेयरों में भी लिवाली का जोर रहा। एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर टूट गये।

'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों की एकीकृत जांच का जिम्मा सीबीआई को विभिन्न राज्यों से सहमति की अपील

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को देशभर में 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इश्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का इश्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है?

'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराध का एक ऐसा बढ़ता स्वरूप है, जिसमें धोखेबाज कानून प्रवर्तन या अदालत के अधिकारी या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारी बनकर ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिये पीड़ितों को धमकाते हैं।

वे पीड़ितों को बंधक बनाकर उन पर पैसे देने का दबाव बनाते हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित 'गैर-राजग' शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। पीठ ने आरबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इश्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का इश्तेमाल क्यों नहीं किया गया? शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वतः संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं। अदालत ने सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थों को 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों से संबंधित जांच में सीबीआई को विवरण और सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया।

पीठ ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह दूसरे देशों से सक्रिय साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता ले। इसने दूरसंचार विभाग से यह सुनिश्चित करने को कहा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता एक ही उपयोगकर्ता या संस्था को कई सिम कार्ड उपलब्ध न कराएं, क्योंकि इनका इश्तेमाल साइबर अपराधों में हो सकता है।

संसद को चुनावी हार-जीत की निराशा अहंकार का अखाड़ा न बनने दें : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि उन्हें चुनावी हार-जीत के परिणामों से बाहर निकलकर इसकी निराशा या अहंकार का अखाड़ा संसद को नहीं बनाना चाहिए और जनता की आकांक्षाओं तथा लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुरूप संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संसद का महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चलेगा और सभी सदस्य देश की प्रगति के लिए तथा चुने हुये प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सदन को चलाने में अपना सहयोग करेंगे।

श्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इसे और आगे बढ़ने की ऊर्जा देने का काम शीतकालीन सत्र करेगा, उन्हें ऐसा उन्हें विश्वास है। चुनावी हार जीत लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र की मजबूती का दायित्व हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि निजी एजेंडे के लिए संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। नये सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और सदन के कार्यवाही बाधित कर उनके अवसर को छीना नहीं जाना चाहिए। इस नए सांसदों को अभिव्यक्ति का अवसर दीजिए अपनी निराशा और अपनी पराजय में सांसदों को बली मत बनने दिजिये। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत होता रहता है और ऐसा समय-समय पर कुछ न कुछ देखने को मिलता है। उन्होंने बिहार विधानसभा में हए भारी मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान जिस रिकॉर्ड के साथ हुआ वह लोकतंत्र में नया विश्वास पैदा करता है। बड़ी बात यह है कि चुनाव में माता बहने ज्यादा हिस्सा ले रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस सत्र में यह पता चलना है कि संसद और संसद सदस्य देश के लिए क्या सोचते हैं। वे देश के लिए क्या करने वाले हैं और क्या कर रहे हैं।

विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए और मजबूत मुद्दे उठाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। उसे पराजय की निराशा से बाहर आकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करना है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि एकाध दल तो निराशा से बाहर ही नहीं आ पा रहे हैं, उनके बयानों से यही लगता है। पराजय से निराश होकर संसद को उसका अखाड़ा नहीं बनाना है और नहीं विजय के अहंकार में डूब कर अपने दायित्व को भूलना है। उन्होंने कहा कि देश के लिए सबको मिलकर बेहतर काम करना चाहिए और सदन में इसका परिचय देना चाहिए।

संसद में जब हंगामा होता है तो सदस्यों को अपनी बात कहने का मौका नहीं मिलता है। नये सांसदों को मौका देना चाहिए और उनके अनुभव और नयी पीढ़ी का जो जोश है उसका लाभ देश को मिलना चाहिए। संसद में ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। नारे लगाने हैं तो पूरा देश खाली पड़ा है वहां नारे लगाए लेकिन संसद में नारे नहीं नीति पर बल देना चाहिए। नकारात्मकता भले ही किसी के काम कभी आ जाय है लेकिन देश के लिए सकारात्मक रूप से सोचना होगा और मर्यादा में रहकर काम करना होगा।

भारत फुटवियर क्षेत्र में बन रहा दुनिया की बड़ी ताकत : राष्ट्रपति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में दुनिया की बड़ी ताकत बन रहा है। श्रीमती मुर्मू ने यह बात यहां फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में तेज़ी से आत्मनिर्भर बन रहा है और विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मज़बूत कर रहा है।

श्रीमति मुर्मू ने कहा कि सरकार ने फुटवियर सेक्टर को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है ताकि इस क्षेत्र में निवेश और विकास बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर विनिर्माण और खपत में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का फुटवियर निर्यात 2.5 अरब डॉलर से अधिक रहा, जबकि आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था।

यानी भारत का निर्यात आयात से करीब चार गुना है। उन्होंने कहा कि निर्यात बढ़ाने के लिए फुटवियर व्यवसाय में और विश्तार की ज़रूरत है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थम्प्टन (यूके) के बीच हुए नए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार के तहत सहयोग को आगे बढ़ाएगा।

श्रीमति मुर्मू ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि फुटवियर डिज़ाइन सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि समाज की बेहतरी से जुड़ा काम है।

उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे ऐसे डिज़ाइन तैयार करें जो लोगों की सेहत, आराम और जरूरतों को ध्यान में रखें। साथ ही रोजगार सृजन, आर्थिक विकास, भारत के निर्यात को मजबूत करने और वैश्विक बाजार में देश की छवि को ऊंचा उठाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवा डिजाइनर 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त प्रदेश बनाना लक्ष्य : योगी

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

संविधान दिवस पर पेरिस से आई एक विशेष तस्वीर ने पूरे देश, खासकर उत्तर प्रदेश को गर्व से भर दिया। यूनेस्को मुख्यालय में भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव राव अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेशवासियों को संबोधित किया और बाबा साहेब को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए प्रदेश को वर्ष 2027 तक गरीबी मुक्त प्रदेश बनाने की बात कही है।

सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदेश की जनता के नाम संबोधित 'योगी की पाती' पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व समुदाय जब बाबा साहेब के योगदान को सराहता है, तो यह क्षण प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का होता है। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की मूल भावना को जीवन में उतारने वाले युगांतरकारी महापुरुष थे। शोषित, वंचित और दबे-कुचले वर्गों को अधिकार दिलाने की उनकी कोशिशें आज भी सामाजिक परिवर्तन का आधार हैं।

योगी ने कहा कि उनकी ही प्रेरणा से उत्तर प्रदेश की सरकार ने दलितों, वंचितों और कमजोर तबकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई हैं। शिक्षा, छात्रवृत्ति, छात्रावास सुविधाएँ, प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भरता तथा आर्थिक सहायता—इन सभी क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद सामाजिक सुरक्षा से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब की सोच पर चलते हुए प्रदेश में 'जीरो पॉवर्टी अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसके तहत कमजोर वर्गों तक आवास, राशन, पेंशन, शिक्षा, श्रम योजनाएँ और बाल विकास कार्यक्रमों का लाभ तेज गति से पहुँचाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस, 6 दिसंबर को हम बाबा साहेब को श्रद्धापूर्वक नमन करेंगे और संविधान की मूल आत्मा—समानता, न्याय और बंधुत्व—को जीवन में उतारने का संकल्प लेंगे। मुख्यमंत्री ने अपील की कि समाज का हर व्यक्ति इन मूल्यों को अपनाकर समतामूलक और संवेदनशील व्यवस्था के निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबा साहेब के मार्ग पर चलकर ही राष्ट्र सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बन सकता है।

लाल किला विस्फोट : NIA की कश्मीर में छापेमारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में दक्षिण कश्मीर में तलाशी अभियान चला रही है। एक सूत्र ने बताया कि शोपियाँ और कश्मीर के अन्य इलाकों में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, जिनमें डॉ. आदिल, डॉ. मुजफ्फर, डॉ. जसीफ और मौलवी इरफान के परिसर भी शामिल हैं।

सूत्र ने बताया कि तलाशी अभियान सोमवार सुबह शुरू हुआ और पंद्रह से ज़्यादा एनआईए टीमों को इसमें लगाया गया। लाल किला विस्फोट के सिलसिले में अब तक एनआईए ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआत में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज किया गया यह मामला बाद में गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंप दिया गया था।

एजेंसी ने पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ने हमले में एक वाहन-जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (वीबीआईईडी) का इश्तेमाल किया था। वह विस्फोटकों से भरी एक आई20 कार चला रहा था, जिसमें लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और तीस से ज़्यादा घायल हो गए। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अल फलाह विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जावेद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं और दो समन जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया है और छापेमारी के बाद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया है।

धर्मपुरा के ग्राम प्रधान शौवीर सिंह को प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में मिला प्रमुख स्थान

✷ **एनसीआर टुडे. झालू ✷।** आगामी त्रिशतरीय पंचायत चुनाव 2026 को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन उत्तर प्रदेश द्वारा पाँच सदस्यीय प्रदेश श्तरीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक चंद्र अवस्थी के निर्देशन में बनी इस समिति में धर्मपुरा के ग्राम प्रधान शौवीर सिंह को प्रमुख स्थान दिया गया है। उनके चयन से जनपद बिजनौर का मान बढ़ा है और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार यह प्रतिनिधिमंडल पंचायत चुनाव प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों पर शासन एवं प्रशासन से संवाद स्थापित करेगा। समिति को परिसीमन प्रक्रिया, आरक्षण निर्धारण, मतदाता सूची में सुधार, आपत्तियों के निश्तारण तथा चुनावी पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों पर कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रतिनिधिमंडल अपने सुझाव मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश को भेजेगा, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और सुचारु रहे। ग्राम प्रधान शौवीर सिंह की क्षेत्र में विकास कार्यों की मजबूत पहचान रही है। उन्हें ग्राम में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिल्ली में दो बार सम्मानित किया जा चुका है।

छोटा हाथी बना आग का गोला चालक ने कुदकर बचाई जान

✷ **एनसीआर टुडे. मडावर ✷।** समान भर कर ला रहे छोटे हाथी मै अचानक से आग लग गई ।चालक ने कूद कर अपनी जान बचाई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सोमवार की दोपहर को चालक नीमी अहमद कस्बा मंडावर निवासी अपने छोटे हाथी में पुट्टी के कट्टे लेकर आ रहा था। जैसी वह मंडावर गैस एजेंसी के सामने पहुंचा तो अचानक छोटा हाथी में आग लग गई। आग लगती देख आसपास के दुकानदारों में अपरा तफरी मच गई। किसी तरह चालक ने छोटा हाथी में से कूद कर अपनी जान बचाई,। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया ओर पूरा वाहन जल गया। चालक नीमी अहमद ने समय रहते कूद कर अपनी जान बचाई। गनीमत रही की कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

फुटबॉल टूर्नामेंट जारी चौथे दिन कोटद्वार गढ़वाल, मुजफ्फरनगर भोपा की टीम ने बाजी मारी

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना ✷।** याद-ए-ख़लील ऑल इण्डिया फुटबॉल फुटबॉल टूर्नामेंट में कोटद्वार गढ़वाल ने कादराबाद से 2-0 गोल से मैच जीता, दूसरा मेच नगीना व मुज़्ज़फ़रनगर भोपा के बीच 2-0 से मुज़्ज़फ़रनगर भोपा ने जीत लिया। सोमवार के चौथे दिन याद-ए-ख़लील ऑल इण्डिया फुटबॉल टूर्नामेंट मे पहला मेच कोटद्वार गढ़वाल व कादराबाद के बीच हुआ। जिसमे 2-0 से कोटद्वार गढ़वाल ने कादराबाद को हराकर मेच जीत लिया। दूसरा मैच नगीना व मुज़्ज़फ़रनगर भोपा के बीच खेला गया मुज्जफरनगर भोपा ने 2-0 से नगीना को पराजीत कर मेच जीत लिया ।आज के मेच मे रेफ्री बाहर आलम लाइनमैन निसार अहमद, सुभाष कपूर उर्फ पप्पी रहे। इस अवसर पर राकेश कर्णवाल, पूर्व सभासद गफ्फार, नौशाद अप्पा, अजीम सीनियर, निसार अहमद, शमशाद, शाकिर, जहांगीर, आबिद, शेख़ जमशेद, चाँद भाई, काका अंसारी, जहांगीर खलीफा, शाकिर उस्मानी, अब्दुल्ला, शिब्ली निसार,ताहिर मुल्तानी, आदि लोग मौजूद रहे।

मधुमक्खी के काटने से एक व्यक्ति के दर्दनाक मौत

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर ✷।** धामपुर क्षेत्र के ग्राम बसेड़ा कुंवर के रहने वाले दयाराम शर्मा लगभग 60वर्षीय मधुमक्खी के काटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार धामपुर क्षेत्र के ग्राम बसेड़ा कुंवर निवासी दयाराम शर्मा उम्र लगभग (60) वर्ष की मधुमक्खी के काटने से मौत हो गई। गाँव वाले व परिजन डॉक्टर के पास ले गये डॉक्टर ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। परिजनो को रो रो कर बुरा हाल है मृतक के भतीजे तथा ग्रामीणों ने बताया की सुबह 11 बजे यह अपना कुछ कार्य कर घर वापस आ रहे थे तो जब गॉव से बाहर पहुंचे तो इसी दौरान सैकड़ों मधुमक्खियों ने मृतक दयाराम शर्मा पर हमला कर दिया। मधुमक्खी के काटने से वह पूरी तरह घायल हो गये तथा उन्हे परिजन व ग्रामीण उन्हे डॉक्टर के पास ले गये तथा डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

4 साल की मासूम को फर्श पर फेंककर कुचला, हैदराबाद के स्कूल में स्टाफ की हैवानियत

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में 4 साल की मासूम के साथ हुई दरिंदगी ने स्कूल में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को स्कूल की महिला स्टाफ ने बेरहमी से पीटा। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है ।यह मामला शाहपुर नगर के एक प्राइवेट स्कूल का है। आरोपी महिला बच्ची को स्कूल के वॉशरूम में लेकर गई। वहां महिला ने बच्ची को फर्श पर फेंक दिया और फिर उसे बुरी तरह से पीटा, महिला ने बच्ची को पैरों से कुचला और यहां तक की उसका गला दबाने की भी कोशिश की। यह पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। हैदराबाद पुलिस के अनुसार, महिला की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है, जो स्कूल में सफाई कर्मचारी थी। बच्ची की मां स्कूल में ही बस कंडक्टर की नौकरी करती है। रविवार को स्कूल खत्म होने के बाद जब वो बच्चों को घर छोड़ने चली गई, तो उसकी बेटी स्कूल में ही मां के वापस आने का इंतजार कर रही थी पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि लक्ष्मी को डर था कि बच्ची की मां उसकी नौकरी छीन लेगी। ऐसे में दोनों के बीच कुछ समय से मनमुटाव चल रहा था, जिसके कारण लक्ष्मी ने बच्ची को निशाना बनाया। वहीं, एक पड़ोसी ने इस पूरी घटना को कैमरे में कैद कर लिया।

यूपी में हड़ताल-तालाबंदी पर रोक

● 14 दिन पहले अनुमति जरूरी, नए श्रम कानून में बदली व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में अब हड़ताल करने के नियमों को कड़ा किया गया है। 14 दिनों की पूर्व सूचना के बिना किसी भी हड़ताल या तालाबंदी पर रोक लगा दी गई है। सामूहिक अवकाश भी हड़ताल में शामिल किया गया है। नई श्रम संहिता के मुताबिक अब 300 से ज्यादा श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी से पहले प्रदेश सरकार की अनुमति लेनी होगी। न केवल छंटनी बल्कि प्रतिष्ठानों को बंद करने के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी। प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि नई संहिताएं 21 नवंबर से प्रदेश में प्रभावी हो चुकी हैं। उनका दावा है कि श्रम कानूनों का पालन आसान बनाया गया है। श्रमिकों के हित भी संरक्षित किए गए हैं और प्रतिष्ठानों के लिए भी यह राहत भरा है। उद्योगों और श्रमिकों के बीच समन्वय

बढ़ाने के लिए शिकायत परितोष समिति, वार्ताकारी परिषद और दो सदस्यीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि न्यूनतम वेतन अब सभी संगठित और असंगठित क्षेत्रों पर लागू होगा। सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर सभी देयक का भुगतान करना अनिवार्य होगा। नए श्रम कानूनों के तहत सभी क्षेत्रों में महिलाओं को पुरुष कर्मचारियों के बराबर अवसर और सुरक्षा मिलेगी। इससे महिलाओं की आय और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अब महिलाएं अपनी सहमति से रात में भी काम कर सकेंगी। नए कानून के मुख्य प्रावधान में समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं के लिए रात की शिफ्ट में काम की अनुमति, 26 सप्ताह का सवेतन मातृत्व अवकाश, शिशुगृह सुविधाओं तक अनिवार्य पहुंच, घर से काम करने के कुछ विकल्प भी शामिल किए गए हैं।

कानूनी पहचान

पहली बार गिग वर्क यानी अस्थाई कर्मी, प्लेटफॉर्म वर्क और एग्रीगेटर कंपनियों को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वालों को अब कल्याणकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। एग्रीगेटर्स को अपने सालाना कारोबार का 1-2 फीसदी एक विशेष कल्याण कोष में जमा करना होगा। यह राशि अधिकतम कुल भुगतान के 5 फीसदी तक सीमित होगी। यह कोष गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूती देगा।

क्या हो सकता है नतीजा?

पहले ये सभी भत्ते गिनती में शामिल होते थे, इसलिए वेतन का आधार बड़ा होता था और पैसा ज्यादा मिलता था। अब भत्ते कम हो गए हैं, जिससे वेतन का आधार छोटा हो गया है। जब छोटे आधार पर गिनती होगी तो मातृत्व लाभ की कुल राशि कम हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य माताओं को मिलने वाली सुरक्षा और लाभ को कम करना नहीं है।

अब मुंबई की हवा भी खराब

● पलूशन के चलते लगीं जीआरएपी 4 की पाबंदियां

मुंबई, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में पलूशन की समस्या सालों से चली आ रही है, लेकिन मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नै जैसे अन्य महानगरों में कमोबेश राहत रही है। अब यह राहत मुंबई भी खत्म होती दिख रही है। आर्थिक राजधानी में पलूशन का लेवल बढ़ने और हवा खराब होने के चलते पाबंदियां लगाई गई हैं। मुंबई में जीआरएपी 4 की पाबंदियां लागू की गई हैं ताकि पलूशन पर कंट्रोल पाया जा सके। इस तरह मुंबई भी अब पलूशन के मामले में दिल्ली की कतार में आकर खड़ा हो गया है। मुंबई के कई इलाकों की हवा खराब और अत्यंत खराब की श्रेणी में आ गई है। इन इलाकों में मडगांव, देवनार, मलाड, बोरिवली ईस्ट, चकाला-अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पोवई और मुलुंड शामिल हैं।

इसके चलते बीएमसी ने तमाम निर्माण कार्यों और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जिनसे धूल उड़ती है। इसके अलावा दर्जनों साइट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। करीब 50 निर्माण स्थलों को नोटिस जारी किया है। इन पर अब काम रोकने या फिर पूरी तरह स्थगित करने के नोटिस लगे हैं। इसके अलावा लघु उद्योगों, बेकरीज और मार्बल कटिंग यूनिट्स को आदेश दिया गया है कि वे अपने कामकाज में इस बात का ध्यान रखें कि धूल कम उड़े। ऐसा ना होने पर उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जा सकता है। यही नहीं बीएमसी ने हर वार्ड में फ्लाइंग स्क्वॉड की भी नियुक्ति की है ताकि धूल पर नियंत्रण किया जाए और पलूशन पर पूरी निगरानी रहे। समुद्र के किनारे होने और हवा की रफ्तार अमूमन दिल्ली जैसे शहरों के मुकाबले तेज होने के चलते मुंबई में पलूशन कम रहा है, लेकिन वहां भी समस्या बढ़ने से चिंताएं पैदा हुई हैं। इन पाबंदियों को लागू करने के बाद भी मुंबई का एक्यूआई 187 है, जो अनहेल्डी कैटिगरी में आता है। वहीं बेंगलुरु का एक्यूआई 118 है और कोलकाता में तो यह काफी ज्यादा बढ़कर 236 हो गया है। बता दें कि दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 10 शहरों में तीन शहर भारत के ही हैं।

मुंबई के कॉलेज में गेस्ट स्पीकर की शर्मनाक हरकत! छात्राओं ने दर्ज कराई यौन उत्पीड़न की शिकायत

मुंबई , एजेंसी। *सेंट जेवियर्स कॉलेज की स्टूडेंट्स ने आजाद मैदान पुलिस को एक गेस्ट स्पीकर के खिलाफ लिखकर शिकायत दी है, जिसने इस हफ्ते की शुरुआत में कैंपस में हुई एक नेशनल लेवल की कॉन्फ्रेंस के दौरान छात्राओं के साथ गलत बर्ताव किया। छात्राओं ने दावा किया कि स्पीकर ने उनकी मर्जी के बिना उनकी तस्वीरें खींचीं और गलत तरीके से उनके पास से गुजरा भी। पुलिस ने अभी तक शिकायत पर ध्यान नहीं दिया है। कॉलेज के कम से कम 10 छात्रों ने शुक्रवार को कॉलेज की इंटरनल कंप्लेंट्स कमिटी में शिकायत दर्ज कराई थी। इस घटना की जानकारी सोमवार को कॉलेज अधिकारियों को दी गई और गेस्ट स्पीकर को उसी दिन, यानी उनके सेशन के तय होने से एक दिन पहले, कैंपस छोड़ने के लिए कहा गया। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, लेकिन कॉलेज ने स्पीकर की यूनिवर्सिटी को बता दिया है। कॉलेज ने शुक्रवार को पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंप दिए हैं और आने वाले हफ्ते में आईसीसी की जांच रिपोर्ट भी पुलिस और पेरेंट यूनिवर्सिटी को सौंपी जाएगी।*

भाजपा क्यों नहीं बना पा रही पंजाब में सरकार

साथी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बताया

जालंधर, एजेंसी।
पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी को राज्य में सरकार बनाने का फॉर्मूला दिया है। हाल ही में एक चैनल से बातचीत में उन्होंने भाजपा के साथ जाने और पार्टी की राज्य में चुनावी तैयारियों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने साफ किया है कि मौजूदा स्थिति में भाजपा अकेले चुनाव नहीं जीत सकती। कांग्रेस से अलग होने के बाद साल 2022 में सिंह बीजेपी का हिस्सा बन गए थे।

सिंह से सवाल किया गया कि भाजपा चुनावी तौर पर पंजाब को नहीं समझ पाई है। इस पर कैप्टन ने जवाब दिया, '...भाजपा के शुरुआती नेताओं ने जो किया वो गलत हो गया। आपको हर चुनाव लड़ना चाहिए था। आप जंग से नहीं भाग सकते। पहला चुनाव 1950 में हुआ। बीजेपी को जितनी भी सीट थीं, उनपर लड़ना चाहिए था। हर सीट पर आपको लड़ना चाहिए था, तब आपका कैडर बनता।'

उन्होंने कहा, 'वो क्या कर रहे थे कि 10 लोगों या 15 लोगों को अकाली दल के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा रहे थे। अकाली को उनका फायदा मिल रहा था, लेकिन उन्हें किसी से फायदा नहीं हो रहा था। अगर आप आज इस संकट का सामना कर रहे हैं, तो इसकी वजह यह है कि आपने अपना कैडर ही नहीं बनाया।'

उन्होंने कहा, 'अगर वो इस बार जीतना चाहते हैं तो...। देखिए इसे दो तरीके से देखा

जा सकता है। या तो आप अपना कैडर बनाएं या गठबंधन कर सरकार बनाएं। अगर आप सरकार बनाना चाहते हैं, तो आपको अकाली दल के साथ बनानी होगी। इसके अलावा भाजपा को सरकार बनाने या पंजाब में किसी तरह की सरकार में शामिल होने का कोई तरीका नहीं है।' उन्होंने कहा, 'अगर आप अपना कैडर बनाना चाहते हैं, तो सभी सीटों पर लड़ने के लिए दो तीन चुनावों का इंतजार करें।'

शिअद ने क्या कहा

ट्रिब्यून से बातचीत में शिरोमणि अकाली दल के प्रवक्ता दलजीत सिंह चीमा ने कहा, 'हम गठबंधन की किसी भी संभावनाओं पर तब बात करेंगे, जब वह संबंधित पार्टी की तरफ से औपचारिक रूप से की जाएगी। यह कैप्टन अमरिंदर सिंह के निजी विचार लग रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अकाली दल आगामी स्थानीय चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है।

चंपाई सोरेन ने की सीएम सरमा की तारीफ?

रांची, एजेंसी।
झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने असम सरकार के मुखिया हिमंत बिस्वा सरमा की खूब तारीफ की। चंपाई सोरेन ने पूर्वोत्तर राज्य में चाय बागान कर्मचारियों को जमीन के मालिकाना हक देने वाले एक बिल को पास करने के लिए असम सरकार की तारीफ की। बता दें कि असम विधानसभा ने शुक्रवार को एक संशोधन बिल पास किया था, जिससे सरकार चाय बागानों की 'लेबर लाइन्स' में रहने वाले कर्मचारियों के बीच घर बनाने के लिए जमीन का वितरण कर सकेगी और उन्हें उसका मालिकाना हक दे पाएगी।

चंपाई सोरेन ने शनिवार को एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि असम सरकार के इस फैसले से लाखों आदिवासियों और अन्य कर्मचारियों को फायदा होगा, जो 200 सालों से वहां बसे हुए हैं। बीजेपी नेता ने उस प्रस्ताव का भी स्वागत किया, जिसे असम कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के तहत चाय बागान के कर्मचारियों, जिनमें ज़्यादातर झारखंड की मिट्टी से जुड़े आदिवासी हैं, को अनुसूचित जनजाति कैटेगरी में शामिल किया जाएगा।

झारखंड के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक सोरेन ने आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस सरकारों ने हमेशा इन कर्मचारियों के अधिकारों को नकार दिया था, जो कई सदियों से पूर्वोत्तर राज्य में बसे हुए हैं। सोरेन ने आगे कहा, 'लेकिन वहां की बीजेपी सरकार ने इन कर्मचारियों के दशकों पुराने संघर्ष का सम्मान करते हुए उनकी मांग पूरी करने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया है। '

आदिवासी समाज की ओर से, उन्होंने 'ऐतिहासिक फैसलों' के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को तहे दिल से धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जवाब देते हुए, सरमा ने रविवार को सोरेन की प्रेरक बातों के लिए उनकी सराहना की। सरमा ने कहा कि चाय समुदाय और आदिवासी समाज के अधिकारों को मजबूत करना 'हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्रतिबद्धता' है। उन्होंने आगे कहा, 'आपकी शुभकामनाएं चाय बागान के सभी कर्मचारी परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमें प्रेरित करती रहेंगी। '

दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा से मिली मामूली राहत फिर भी

एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

नोएडा , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा चलने से मामूली राहत मिली है, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी के बीच बना हुआ है। इससे सांस से जुड़ी समस्याओं वाले लोगों के साथ-साथ स्वस्थ व्यक्तियों को भी परेशानी का खतरा बढ़ गया है। ग्रेटर नोएडा में दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार एक्यूआई 292 रहा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। यहां नॉलेज पार्क-3 में 261 और नॉलेज पार्क-5 में 323 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। स्वास्थ्य प्रभाव सूचना में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि ऐसी हवा लंबे समय तक सांस लेने में असुविधा और श्वसन संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती है। गाजियाबाद में भी स्थिति बेहतर नहीं दिखी। इंदिरापुरम में 284, संजय नगर में 273, वसुंधरा में 276 और लोनी?में एक्यूआई 360 दर्ज हुआ, जिसे 'गंभीर'

श्रेणी में माना जाता है। वहीं नोएडा में भी प्रदूषण का स्तर काफी खतरनाक रहा। सेक्टर-125 में 355, सेक्टर-1 में 320 और सेक्टर-116 में 332 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़े स्थिति को और गंभीर बनाते हैं।

पूसा, आरके पुरम, रोहिणी, शादीपुर और वजीरपुर जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 320 के आसपास से 345 तक रिकॉर्ड किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर के प्रदूषण में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

पत्नी को मारकर लाश के साथ ली सेल्फी और लगा दिया व्हाट्सएप स्टेटस

कोयंबटूर , एजेंसी।
तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित तिरुनेलवेली में एक सनसनीखेज वारदात ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एक दरिंदे ने बेरहमी से अपनी पत्नी का खून किया और फिर उसकी लाश के साथ सेल्फी लेकर व्हाट्सएप पर स्टेटस लगा दिया। आरोपी पति की पहचान बालामुरुगन के रूप में हुई है। उसने पत्नी के हॉस्टल में घुसकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। घटना की वजह पारिवारिक कलह बताया जा रह है। तमिलनाडु पुलिस के अनुसार, पीड़िता का नाम श्रीप्रिया था और वो कोयंबटूर की प्राइवेट कंपनी में काम करती थी। श्रीप्रिया और बालामुरुगन काफी समय से अलग रह रहे थे। रविवार की दोपहर बालामुरुगन पत्नी से मिलने उसके हॉस्टल पहुंचा। बालामुरुगन ने अपने कपड़ों में दरांती छिपा रखी थी। जांच में पता चला है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ी कि बालामुरुगन ने श्रीप्रिया पर वार कर दिया। यह प्रहार इतना भयानक था कि श्रीप्रिया तुरंत लहूलुहान हो गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इतना ही नहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद बालामुरुगन ने श्रीप्रिया की लाश के साथ सेल्फी लेकर व्हाएट्सएप स्टेटस लगा दिया और कैप्शन में लिखा, ÷श्रीप्रिया ने मुझे धोखा दिया था।÷ श्रीप्रिया की चीख सुनकर जब हॉस्टल के लोग मौके पर पहुंचे, तो बालामुरुगन वहीं मौजूद था। पुलिस के आने तक वो लाश के पास ही बैठा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके दरांती भी बरामद कर ली है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि बालामुरुगन को अपनी पत्नी पर शक था कि उसका किसी दूसरे पुरुष के साथ संबंध है,

हिमाचल कांग्रेस को मिला नया नेतृत्व

विनय कुमार ने संभाला प्रदेश अध्यक्ष का पद

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिल गया है। विनय कुमार ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन, शिमला में आयोजित समारोह में प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, पूर्व एचपीसीसी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह सहित प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्य, अन्य वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी नेताओं ने विनय कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी

और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि विनय कुमार तीन बार के विधायक हैं और कांग्रेस की विचारधारा से गहराई से जुड़े हुए नेता हैं। उन्होंने कहा कि विनय कुमार अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं और युवा नेतृत्व का चयन पार्टी के अंदर सकारात्मक संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी एकजुट होकर आगे बढ़ेगी और आने वाले समय में कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं के जोश व होश से संगठन को मजबूती मिलेगी।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा कि विनय कुमार को सभी वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद यह जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे और संगठन में सभी वर्गों के कार्यकर्ताओं का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों की नियुक्ति भी जल्द की जाएगी।

ग्राहक बनकर फोन चुरा ले गया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में एक दुकान पर ग्राहक बनकर आया युवक मोबाइल चोरी करके ले गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दुकानदार ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। वसुंधरा सेक्टर तीन में रहने वाले निशांत शेखर चश्मे की दुकान चलाते हैं। निशांत के अनुसार 29 नवंबर की शाम लगभग पौने सात बजे एक युवक उनकी दुकान पर आया और कुछ देर सामान देखने के बाद गल्ले के पास रखा मोबाइल चोरी करके ले गया। उन्हें फोन गायब होने का पता काफी देर बाद चला। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि ग्राहक बनकर आया युवक फोन चोरी करके ले गया है। उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

सोसाइटी का एक गेट बंद रहने से निवासी परेशान

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वसुंधरा सेक्टर-15 में सड़क पर अवैध तरीके से गेट लगाए जाने से लोगों को परेशानी हो रही है। इसके कारण लंबे मार्ग से होकर बाजार तक आना जाना पड़ता है। आरोप है कि यह गेट वसुंधरा डुप्लेक्स आरडब्लूए सोसाइटी द्वारा लगाया गया है। लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम और आवास विकास परिषद से की है। शिकायतकर्ता संदीप कुमार ने बताया कि यह गेट उस नौ मीटर चौड़ी सार्वजनिक सड़क पर लगाया गया है, जो वसुंधरा की सबसे बड़ी मेन मार्केट को जोड़ती है। आवास विकास परिषद के नक्शे में यह सड़क पूरी तरह से सार्वजनिक मार्ग के रूप में दर्ज है, लेकिन सोसाइटी ने दोनों ओर लोहे के गेट लगाकर मार्ग को स्थायी रूप से बंद कर दिया है और स्थान को पार्किंग के रूप में इश्तेमाल किया जा रहा है। इससे आस-पास की कॉलोनियों के लोगों को मेन मार्केट तक पहुचने में लगभग दो किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। वसुंधरा जोनल प्रभारी सुनील कुमार राय ने बताया कि शिकायत मिली है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पार्षद के निधन पर नगर निगम में शोक सभा हुई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वार्ड-23 के पार्षद जगत सिंह का रविवार को निधन हो गया। उनके निधन पर सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में शोक सभा का आयोजन हुआ। इसमें महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक समेत सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि पार्षद के निधन से निगम परिवार को क्षति हुई है। दुख की इस घड़ी में निगम पार्षद के परिवार के साथ खड़ा है। इस मौके पर कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र सिंह,अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी, पार्षद आदि मौजूद रहे।

फोन करके हत्या की धमकी दी, केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कविनगर थानाक्षेत्र के अवंतिका द्वितीय में रहने वाले लवेश चौधरी ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन करके जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। लवेश चौधरी के मुताबिक बीते 20 नवंबर की रात करीब सवा नौ बजे उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से लगातार धमकी भरे कॉल आए। कॉल करने वाले ने अपना नाम दिव्यांशु बताया, जो उनके मामा अजीत चौधरी का परिचित बताया जा रहा है। लवेश चौधरी ने शिकायत में कहा कि कॉल की रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है, जिसमें कथित व्यक्ति द्वारा धमकी देने की बात साफ तौर पर सुनाई दे रही है। उन्होंने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और 29 नवंबर को कविनगर थाने में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सीओ कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि शिकायत के आधार पर दिव्यांशु नाम के आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

गाली-गलौज के विरोध पर पीटा, केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कविनगर थानाक्षेत्र के शास्त्रीनगर में आपसी विवाद के दौरान मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शास्त्रीनगर एफ-ब्लॉक में रहने वाले वत्सल पाठक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते 29 नवंबर की रात करीब डेढ बजे मोहल्ले के ही अरुण ने उनके साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर स्थिति बिगड़ गई और आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी। वत्सल के अनुसार, झगड़े के दौरान उन्हें कान के पास गंभीर चोट लगी। इसके बाद आरोपी जाते-जाते उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में वत्सल पाठक ने कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

बस में छात्र का मोबाइल चोरी, केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में बस में जा रहे छात्र का मोबाइल चोरी कर लिया गया। घटना के संबंध में छात्र के पिता ने गौतमबुद्धनगर के बिसरख थाने में शिकायत दी, लेकिन घटना क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र का होने के कारण केस को वहां स्थानांतरित कर दिया गया। थाना बिसरख, जिला गौतमबुद्धनगर के गांव चिपियाना खुर्द निवासी धर्मेंद्र श्रीवाश्तव का कहना है कि उनका बेटा शिवांश श्रीवाश्तव नित्रा टेक्निकल कैंपस का छात्र है। बीते छह सितंबर को वह रोजाना की तरह कॉलेज से बस द्वारा अपने घर चिपयाना खुर्द लौट रहा था। भीड़-भाड़ के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। बेटे को घटना का पता तब चला, जब वह घर पहुंचने के बाद अपना मोबाइल निकालने लगा। काफी तलाशने और पूछताछ करने के बाद भी मोबाइल का कोई पता नहीं चल सका। उसके बाद उन्होंने बिसरख थाने में शिकायत देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि घटनास्थल क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र का होने के कारण बिसरख पुलिस ने केस यहां स्थानांतरित कर दिया था। 30 नवंबर को केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

छात्र की मौत में दो युवतियों समेत पांच दोस्तों पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

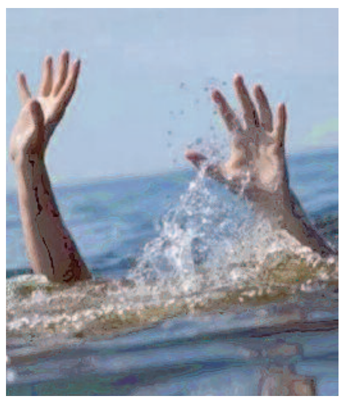

एमसीए के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में नंदग्राम पुलिस ने दो युवतियों समेत छात्र के पांच दोश्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

छात्र की मौत के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए दो दिनों तक जमकर हंगामा किया था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मूलरूप से गुलावठी बुलंदशहर निवासी राकेश राणा नंदग्राम ई-ब्लॉक में बने जीडीए के ट्रिपल स्टोरी फ्लैट्स में किराए पर रहते हैं।

पुलिस को दी शिकायत में राकेश राणा ने बताया कि 26 नवंबर को वह पत्नी के साथ परिचित की शादी में गए हुए थे। घर पर उनका 24 वर्षीय बेटा वतन राणा अकेला था। देर शाम पड़ोस में रहने वाले उनके साले राजेश का फोन आया। उन्होंने बताया कि वतन कमरे में फंदे से लटका मिला है। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया है।

सूचना मिलते ही वह तुरंत घर पहुंचे। वहां मौजूद लोगों और साले से बात करने पर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। राकेश के मुताबिक राजेश ने उन्हें बताया कि कमरे की कुंडी बाहर से बंद थी। जब दरवाजा खोला गया, तो वतन चादर से पंखे पर लटका हुआ मिला। उसके पैर मुड़े हुए थे और शरीर पर निशान भी दिखाई दे रहे थे, जो घटना को संदिग्ध बनाता है। इन परिस्थितियों में आत्महत्या की संभावना कमजोर लगती है।

राकेश का कहना है कि घटना वाले दिन दोपहर से शाम तक वतन के दोश्त शारावत, अंश, अमन, माही और भूमि घूमने-फिरने के लिए उसके घर आए हुए थे। पड़ोस की रहने वाली भूमि का वतन से पूर्व में झगड़ा भी हुआ था और उसी विवाद को लेकर भूमि और उसके साथियों ने मिलकर वतन की हत्या की है।

थाने के घेराव और सड़क जाम के बाद दर्ज हुआ केस परिजनों ने वतन राणा की हत्या का आरोप लगाते हुए दो दिन हंगामा किया था। एक दिन नंदग्राम थाने का घेराव किया तो दूसरे दिन सड़क जाम करके पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया था।

पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत किया था। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि दो युवतियों समेत मृतक के पांच दोश्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

हाउस टैक्स जमा करने की अपील

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सुनील कुमार राय ने करदाताओं से हाउस टैक्स जमा करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि करदाताओं को इस महीने 20 फ़ीसदी छूट का लाभ दिया जाएगा। लोग समय पर हाउस टैक्स जमा करके इस का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिस किसी को कर निर्धारण में कोई दिक्कत है तो वह निगम मुख्यालय में आकर उनसे संपर्क कर सकते हैं।

आतंकवादियों के घुसने की सूचना पर पुलिस दौड़ी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर में आतंकवादियों के घुसने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम से गाजियाबाद पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी। आननफानन में पुलिस बताए गए स्थान पर पहुंची, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। जांच में पता चला कि नशे में किसी ने फर्जी सूचना दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम के पास 29 नवंबर की रात लगभग साढ़े नौ बजे फोन पहुंचा कि शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में पंजाबी ढाबे के पास आतंकवादी घुस आए हैं। दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना पर शालीमार गार्डन थाना पुलिस को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। साथ ही, बैकअप तैयार किया गया। थाना पुलिस जब बताए गए स्थान पहुंची तो वहां कुछ नहीं था।

पुलिस ने लगभग आधा घंटा तक मौके पर जांच की। इसके बाद सूचना फर्जी पाई गई। पुलिस सूचना देने वाले की डिटेल निकलवाई गई। जिस मोबाइल नंबर से सूचना दी गई थी मनोज कुमार पुत्र शिवकांत निवासी शालीमार गार्डन मेन के नाम पर दर्ज था। पुलिस ने मनोज को हिरासत में ले लिया। एसपी सिटी नगर (टीएचए) निमिष पाटील ने बताया कि मनोज कुमार ने नशे में डायल 112 पर फोन किया था, लेकिन वह दिल्ली पुलिस

प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने से नाराज युवक ने उसे गोली मारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भोजपुर इलाके में 22 वर्षीय महिला की शादी कहीं और तय होने से नाराज उसके कथित प्रेमी ने उसे गोली मार दी। मोदीनगर के सीओ अमित सक्सेना ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को भोजपुर इलाके के नांगलाबेर गांव में हुई।

ऐसा बताया जा रहा है कि प्रदीप (28) और महिला के बीच करीब पांच साल से प्रेम प्रसंग था तथा महिला का रिश्ता किसी अन्य युवक से तय होने के कारण आरोपी नाराज था। प्रदीप कथित तौर पर महिला के घर में घुसा और एक देसी पिश्तौल से उसे गोली मार दी।

गोली लगने के बाद महिला फर्श पर गिर गई, जिसके बाद परिवार के सदस्य और पड़ोसी उसे मोदीनगर के पास के एक अस्पताल ले गए।

एसीपी ने बताया कि बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए मेरठ के एक अस्पताल ले जाने के लिए कहा गया। चिकित्सकों के मुताबिक गोली उसके कान के पास सिर में ऊपरी हिस्से में फंसी हुई है।

पुलिस ने बताया कि एमएससी प्रथम वर्ष की छात्रा ने हाल के हफ्तों में प्रदीप से बात करना बंद कर दिया था। आरोपी कथित तौर पर इस बात से परेशान था कि उसकी शादी किसी और से तय हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदीप ने उस पर काफी पैसे भी खर्च किए थे और उसके घर में लगे एयर कंडीशनर की किश्त भी दे रहा था। सक्सेना ने कहा, ''महिला की शादी के बारे में जानने के बाद उसे अपने दोश्तों के बीच बेइज्जती महसूस हुई। गुस्से में आकर वह उसके घर पहुंचा और युवती पर गोली चला दी।'' पीड़िता के छोटे भाई अंशुल ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीम प्रदीप के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

गाड़ी का शीशा तोड़कर चालक से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर क्षेत्र में टक्कर मारने का आरोप लगाते हुए कार सवार चार लोगों ने एक व्यक्ति गाड़ी का शीशा तोड़ दिया और उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित के परिजनों ने विरोध जताया तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। लालकुआं क्षेत्र की पंचविहार कॉलोनी में रहने वाले कृष्णा चौहान ने पुलिस को बताया कि बीते 27 नवंबर की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपनी कार से परिवार के साथ विजयनगर बाईपास होते हुए घर लौट रहे थे।

जैसे ही वह आईपीएम कट के पास पहुंचे तो उनके आगे चल रही गाड़ी में मौजूद चार युवकों ने टक्कर मारने का आरोप लगाते हुए उनकी कार रुकवा ली। कृष्णा चौहान का कहना है कि वह कुछ समझ पाते, उससे पहले ही चारों आरोपी उतरे और बिना किसी बातचीत के गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी कार का शीशा तोड़ दिया। इतना ही नहीं, उन्हें और उनके परिवार को हत्या की धमकी देकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के संबंध में पीड़ित ने 29 नवंबर को विजयनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। गाड़ी के नंबर की मदद से हमलावरों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार पुल से गिरी, पिता की मौत, बेटा घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सोमवार तड़के एक तेज रफ्तार कार पुल की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 50 फुट नीचे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के परिसर में जा गिरी।

हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

दुर्घटना तड़के करीब तीन बजे राजनगर फ्लाईओवर की है जब एक कार रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी जहां पीडब्ल्यूडी का परिसर है। उसने बताया कि कार में सवार जाग्रति विहार निवासी प्रिंस (20) और उनके पिता राकेश कुमार (48) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने राकेश कुमार को मृत घोषित कर दिया।

नंदग्राम की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त उपासना पांडे ने बताया कि प्रिंस का उपचार जारी है और उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि कार प्रिंस चला रहा था और हादसा संभवतः झपकी लगने से हुआ।

मुठभेड़ में बदमाश घायल, गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के अंकुर विहार इलाके में रविवार देर रात पुलिस और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। इसके बाद पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस की ओर से वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने स्कूटी सवार संदिग्ध युवक को जबी रुकने का इशारा किया, तो उसने भागने का प्रयास किया। जब पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो संदिग्ध युवक ने पुलिस पर तमंचे से फायर कर दिया।

पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई, जिसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह गिर गया। घायल बदमाश को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस और चोरी की स्कूटी मिली।

पुलिस की पूछताछ में उसने अपना नाम आमिर बताया। पूछताछ में पता चला कि वह कई अपराधों में शामिल है। आमिर पर चोरी और एनडीपीएस एक्ट के तहत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से और पूछताछ कर रही है। सीओ लोनी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पूछताछ में आरोपी आमिर ने कई मामलों में शामिल होने की बात कबूली है। इसके पास से जो स्कूटी बरामद हुई है, वह कुछ दिनों पहले ही चोरी की गई थी, इससे पहले भी इसने कई वाहनों को चुराया था। बदमाश के ऊपर 9 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इन सभी मुकदमों की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस आमिर को काफी दिनों से खोज रही थी।

इस दौरान मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया है। यह पता लगाया जा रहा है कि इसने तमंचा कहां से खरीदा है और इसके गिरोह में कितने लोग शामिल हैं। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से उसे सीधा जेल भेजा जाएगा।

दोनों बहनों की लापरवाही से ऑटो दो ट्रकों के बीच फँसा, 14 वर्षीय किशोर गंभीर घायल

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नहटौर रोड पर सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिंद्रा ऑटो में सवार दो बहनों की लापरवाही के चलते ऑटो का संतुलन बिगड़ गया।

उसी समय आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे ऑटो सीधे ट्रक के पीछे जा टकराया।

टक्कर के तुरंत बाद पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो दोनों ट्रकों के बीच बुरी तरह फँस गया।

हादसे में फेजर पुत्र फैयाजुदीन, निवासी मिल्क गंगोड़ा जट, गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत मौके पर दौड़े और राहत कार्य शुरू किया।

घटना की सूचना मिलते ही झालू पुलिस कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुँच गई। पुलिस ने बिना समय गंवाए एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायल किशोर को परिजनों के साथ अस्पताल भिजवाया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तत्परता की सराहना की, जिससे समय पर मेडिकल सहायता मिल सकी।

हादसे के बाद आगे वाला ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। वहीं पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, लेकिन उसका चालक भी फरार बताया जा रहा है। पुलिस दोनों ट्रक चालकों की तलाश में जुटी है और पूरा मामला जांच के अधीन है।

घर बैठे कमाई का झांसा दे महिला से 4.25 लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर गुलमोहर गार्डन सोसाइटी में रहने वाली महिला से सवा चार लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता लगने पर पीड़िता ने सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर थाने की साइबर ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर गार्डन सोसाइटी में रहने वाली दीपाली जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते आठ नवंबर को उनके पास अनजान नंबर से फोन आया। सामने वाले व्यक्ति ने घर बैठे ऑनलाइन कार्य करके अच्छी-खासी कमाई करने का झांसा दिया और टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जुड़ने को कहा।

ग्रुप में जुड़ने के बाद उन्हें बताया गया कि कुछ आसान टास्क पूरे करने पर मोटी रकम कमाई जा सकती है। दीपाली जैन के मुताबिक टेलीग्राम पर उन्हें शुरुआत में छोटे-छोटे पैसे जमा करने को कहा गया।

जब टास्क पूरा किया तो उन्हें बताया गया कि बड़ी कमाई के लिए और राशि जमा करनी होगी। भरोसा कायम करने के लिए जालसाजों ने उन्हें शुरूआत में मुनाफा भी दिया।

चालान कटने पर 17 माह बाद दर्ज हुई बाइक चोरी की रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मधुबन बापूधाम पुलिस ने चक्कर कटाने के बाद भी बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

पीड़ित के पास बरेली में कटे चालान का मैसेज आया तो उसने पुलिस आयुक्त को शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। तब जाकर थाना पुलिस ने घटना के 17 माह बाद केस दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मुरादनगर की हंस कॉलोनी में रहने वाले मोहम्मद यूनुस का कहना है कि 29 जून 2024 की सुबह करीब सवा छह बजे उनकी बाइक हापुड़ चुंगी स्थित पहलवान ढाबे के पास से चोरी हो गई थी। चोरी का पता चलते ही उन्होंने तुरंत डायल-112 पर फोन करके घटना की जानकारी दी।

इसके बाद उन्होंने मधुबन बापूधाम थाने में भी घटना की लिखित सूचना दी। यूनुस का आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

पीड़ित का कहना है कि हाल ही में उन्हें ऑनलाइन माध्यम से पता चला कि उनकी चोरी हुई बाइक पर बरेली में चालान कटा है।

चालान में उनकी बाइक का फोटो भी लगा है। इससे स्पष्ट है कि चोर उनकी बाइक का उपयोग कर रहे हैं और पुलिस को इसकी कोई खबर नहीं है। यूनुस का कहना है कि बाइक चोरी के डेढ़ साल बाद दूसरे जिले में चालान हुआ, तब भी उन्होंने मधुबन बापूधाम पुलिस को जानकारी दी लेकिन पुलिस ने फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की।

थक-हारकर उन्हें पुलिस आयुक्त से कार्रवाई की गुहार लगानी पड़ी। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि 28 नवंबर को केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। थाने पर रिपोर्ट क्यों दर्ज नहीं की गई, इसकी जांच भी कराई जा रही है।

जिला चिकित्सालय में बीमार को दिए जाने वाले भोजन को खा रहे हैं चुहे, घोर लापरवाही मानव जीवन के लिए खतरा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिला मेडिकल अस्पताल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती एक मरीज के लिए रखे गए खाने को चूहे खाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS) ने जांच और कार्रवाई की बात कही है।

वायरल वीडियो बिजनौर जिला मेडिकल अस्पताल के एक वार्ड का बताया जा रहा है। वीडियो में एक मरीज अपने बिश्तर पर सो रहा है।, उसके पास रखे सरकारी भोजन पर चूहे मंडराते और उसे खाते हुए स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

यह दृश्य किसी मरीज के तीमारदार ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। वीडियो बनाने वाले मोहम्मद आकिब ने बताया कि उनका भाई अस्पताल में भर्ती है। वे अपने दोश्त के साथ दूसरी मंजिल के वार्ड में खाना देने आए थे।

तभी उन्होंने यह दृश्य देखा। आकिब ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मरीज अस्पताल में ठीक होने आता है। लेकिन अगर उसे चूहों द्वारा खाया गया भोजन मिलेगा, तो वह और बीमार हो सकता है।

मरीज के भोजन तक चूहों की पहुंच से गंभीर संक्रमण और विभिन्न बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। यह घटना अस्पताल में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल उठाती है। इस मामले में अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS) डॉ. बी. आर. त्यागी ने बताया कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नजीबाबाद के धनसिनी में पकड़ा गुलदार का बच्चा

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

तहसील के ग्राम धनसिनी में कुछ दिनों से देखे जा रहे लगातार गुलदार आतंक वन विभाग की टीम को सूचना देकर लगाए पिंजरे। जहां पर आज सुबह को लगभग 7 से 8:00 बजे का समय था।

जब किसान सीताराम और मास्टर रघुवीर सिंह अपने खेतों पर घूमने गए। जहां पर किसानों ने अपने खेत पर लगे पिंजरे में कैद गुलदार के बच्चे को देखा। दोनों के खेत के पास में खेत पर पिंजरा लगाया गया था। खेत पर लगे पिंजरे में कैद गुलदार को देखकर गांव में हड़कंप मच गया।

गुलदार के बच्चे को पिंजरे में कैद देखकर गांव के लोगों ने वन विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचे श्री राम कुमार रेंजर जी और परशुराम दरोगा जी हर गोविंद सिंह डिप्टी रेंजर जी मौके पर पहुंचे।

गुलदार को ले गए जिला बिजनौर में 102 से अधिक गुलदार पकड़े गए। गांव वासियों का कहना है अभी और गुलदार देखे जा रहे हैं। गांव वासियों ने कहा कि यह पर बड़े पिंजरे लगाया जाए। पिछले महीने भी पकड़ा गया था धनसिनी से एक और गुलदार।

NGT और सुप्रीम कोर्ट आदेश ताक पर, जेई ने कटवाए हरे पेड़

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

बिजलीघर परिसर में बिना अनुमति हरे पेड़ों की कटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने विभागीय कर्मचारियों पर चोरी-छिपे पेड़ कटवाने का आरोप लगाया था। लेकिन अब कर्मचारियों ने बड़ा दावा किया है कि कटाई उनके द्वारा नहीं, बल्कि JE के मौखिक निर्देश पर कराई गई थी।

कर्मचारियों का कहना है कि पेड़ काटने से पहले कई बार JE से लिखित आदेश की मांग की गई।, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि "ऊपर से बात हो चुकी है, काम कर दो।" कर्मचारियों ने बताया कि उस समय किसी ने विरोध किया तो JE ने कार्रवाई की धमकी भी दी थी।

हालांकि मामला सामने आने के बाद अब JE पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं, और विभाग की ओर से पूछताछ होने पर जिम्मेदारी छोटे कर्मचारियों पर डाल दी जा रही है। एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि

"जब काम होता है तो अधिकारी आदेश देते हैं, लेकिन जब जवाबदेही की बारी आती है तो हम जैसे छोटे कर्मचारियों को ही दोषी बना दिया जाता है।" उधर, ग्रामीणों का कहना है कि बिना अनुमति हरे पेड़ काटना नियमों का खुला उल्लंघन है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। असली दोषियों पर कार्रवाई की जाए, चाहे वे अधिकारी हों या कर्मचारी।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, प्राथमिक श्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। उच्चाधिकारियों ने पूरी रिपोर्ट मांगी है और यदि किसी भी श्तर पर अनियमितता पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है।

अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे।

इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठता है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा।

पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान ड्रग के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं।

समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पड़ोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशा न केवल भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है। इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक व्यवस्था होनी चाहिए कि अपराधी इसके परिणामों से भयभीत हों। मौजूदा समय में कई बार अपराधी मामूली सजा या जमानत पर छूट जाते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और अवैध कारोबार और तेजी से फैलता है।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून कठोर हों और उनका पालन बिना किसी समझौते के हो। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है-नशामुक्ति और पुनर्वास। नशे की गिरफ्त में आए लोग सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित भी हैं। परिवार, समाज और सरकार को उन्हें समझना, सहारा देना और पुनर्वास का रास्ता उपलब्ध कराना आवश्यक है। देश में नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनकी गुणवत्ता, सुविधाओं, चिकित्सा सहायता, काउंसलिंग और पुनर्वास कार्यक्रमों को और मजबूत करने की जरूरत है। नशे से बाहर आने वाले व्यक्ति को नये जीवन की शुरुआत के लिए सामाजिक सम्मान, परिवार का सहयोग और रोजगार के अवसर मिलना आवश्यक है; वरना वे दोबारा उसी अंधेरी राह में लौट जाते हैं। यह समय चेतावनी का समय है। यदि आज हमने नशे की इस राष्ट्रीय महामारी को गंभीरता से नहीं लिया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। नशा मानवता का शत्रु है। यह युवा शक्ति को अंधेरे में धकेलता है, परिवारों को तोड़ता है, राष्ट्र की प्रगति को रोकता है।

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं।

नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी।

साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे।

साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है। ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे।

नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्था से पूरी तरह भिन्न थी।

जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश उन लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम

कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं।

देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रश्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी।

श्रम कानूनों को मजदूर हितैषी बनाने में डा. जटिया का अहम योगदान रहा है। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश-दुनिया में सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। नए श्रम सुधार भारत की विकास दर को रफ्तार दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को प्रकाशित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक 21 नवंबर से भारत में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से देश में, मध्यम अवधि में लगभग 77 लाख नई नौकरियां तैयार होंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत का औपचारिक कार्यबल 60.4 फीसदी अनुमानित है। नए श्रम नियमों से अब औपचारिक कार्यबल लगभग 75.5 फीसदी के श्तर पर पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में असंगठित क्षेत्र में लगभग 44 करोड़ श्रमिक हैं। इनमें से 31 करोड़ से अधिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। यदि इन श्रमिकों में से केवल एक, पांचवां हिस्सा औपचारिक नौकरियों में स्थानांतरित होता है, तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक लाभ प्राप्त करना शुरू कर देंगे, जो उनके रोजगार रिकॉर्ड से जुड़े होंगे। लेकिन नए श्रम कानून की डगर पर कार्यान्वयन संबंधी कई मुश्किलें भी हैं। इन मुश्किलों का समाधान किया जाना जरूरी होगा। खास तौर से व्यवस्था में निरंतर सुधार की आवश्यकता होगी।

श्रम संबंधी कामों की तेजी से बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच तथा उद्योग-कारोबार तथा श्रम संगठनों के बीच अच्छा तालमेल जरूरी होगा। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को नए श्रम कानूनों का लाभ दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। ऊंची विकास दर को पाने के लिए नए श्रम कानूनों के शीघ्र व्यावहारिक क्रियान्वयन सहित अन्य आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर भी तेजी से आगे बढना होगा।

उम्मीद करें कि देश में 21 नवंबर से लागू नई चार श्रम संहिताओं से श्रम नियमों के आधुनिकीकरण, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित किए जाने जैसे नए आधारों से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की मजबूत नींव रखी जाएगी, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उम्मीद करें कि जिस प्रकार इनकम टैक्स और जीएसटी सुधार से आम आदमी और अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है, उसी प्रकार नए श्रम कानून भी लाभप्रद होंगे। उम्मीद करें कि अब नए श्रम कानून के बाद जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए कृषि, बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, लॉजिस्टिक सुधार, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश नए श्रम कानूनों से उत्पादन वृद्धि, निर्यात वृद्धि, रोजगार वृद्धि और विकास दर के ऊंचे लक्ष्यों को प्राप्त करने की डगर पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनते हुए दिखाई दे सकेगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समश्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। "सहकार से समृद्धि" का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है।

भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं।

साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान श्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं।

कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93, 000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं।

ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं।

एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं।

तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है।

ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35, 000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं। उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समश्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63, 000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2, 516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं।

सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं।

अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।

केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वश्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है।

पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से "ईज आफ डूइंग बिजिनेस" के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं।

विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा।

अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। "सहकारिता से विकास" का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (2 दिसम्बर) पर विशेष : प्रदूषण की कैद में कैद होती पृथ्वी

श्वेता गोयल

प्रतिवर्ष 2 दिसम्बर को भोपाल गैस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की याद में भारत में 'राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस' मनाया जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक उस गैस त्रासदी में जहरीली गैस के रिसाव के कारण पांच लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो गई थी, हालांकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मौतों की संख्या 3787 घोषित की गई थी। उस गैस त्रासदी को इतने वर्षों बाद भी पूरी दुनिया में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना जाता है। 1984 की उस गैस त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को याद करने और प्रदूषण नियंत्रण कृत्यों के महत्व से हर व्यक्ति को अवगत कराने के लिए 2 दिसबर का दिन राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के रूप में चिह्नित किया गया।

इस दिन का उद्देश्य प्रदूषण को रोकने में मदद करने वाले कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करना, औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन तथा नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाना और औद्योगिक प्रक्रियाओं तथा मानवीय लापरवाही से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना है। दरअसल आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम पर्यावरण का महत्व भूलते जा रहे हैं। इन दिनों देश के विभिन्न हिस्सों में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर जो विकराल स्थिति बरकरार है, ऐसे में इस दिवस का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

देश में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए कानून में कई धाराएं समाहित हैं, जिनमें 1974 का जल (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1977 का जल उपकर अधिनियम, 1981 का वायु अधिनियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1989 का खतरनाक रासायनिक निर्माण, भंडारण और आयात का नियम, 1989 का खतरनाक अपशिष्ट नियम, 1989 का खतरनाक माइक्रो जीव अनुवांशिक इंजीनियर जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, भंडारण, आयात, निर्यात और भंडारण नियम, 1996 का रासायनिक दुर्घटनाओं (इमरजेंसी, योजना, तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम, 1998 का जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम, 1999 का पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक निर्माण और उपयोग नियम, 2000 का ओजोन क्षयकारी पदार्थ नियम, 2000 का ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 का नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियम, 2001 बैट्री (मैनेजमेंट और संचालन) नियम, 2006 महाराष्ट्र जैव कचरा नियंत्रण अध्यादेश, 2006 का पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना नियम इत्यादि प्रमुख हैं। इतने सारे अधिनियमों के बावजूद यह विड़म्बना ही है कि देश में प्रदूषण का श्तर निरन्तर बढ़ रहा है और वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, फरीदाबाद, वाराणसी, गया, पटना, जयपुर, पटियाला इत्यादि भारत के कई शहरों की गिनती अक्सर विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में होती रही है।

बढ़ते प्रदूषण ने जलवायु परिवर्तन के खतरे को भयावह रूप से तीव्र कर दिया है। हिंदी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुश्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार, औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाकर पृथ्वी के तापमान को असंतुलित कर दिया है। 'लांसेट' जर्नल की रिपोर्ट इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 30 देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के चलते कृषि उत्पादन में गिरावट का चरण शुरू हो चुका है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका पर भी प्रत्यक्ष खतरा बन गया है। यही नहीं, यूरोप और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र गर्मी के बढ़ते जोखिम की जद में हैं, जहां 65 वर्ष से अधिक आयु वाले लगभग 42 प्रतिशत लोग भीषण तापमान से होने वाले दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2000 से 2017 के दौरान दुनिया के 15 करोड़ से अधिक लोग भीषण गर्मी की चपेट में आए जबकि वर्ष 2017 में यह संख्या 2016 की तुलना में 1.8 करोड़ अधिक थी। उसके बाद से यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। यह स्पष्ट करता है कि यदि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन मानव सभ्यता के अशितत्व के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

प्रदूषण आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए नासूर बनता जा रहा है, जिसकी वजह से बढ़ती बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ कई गुना बढ़ता जा रहा है। हवा में मौजूद प्रदूषण के कण न केवल दिल, दिमाग और फेफड़ों पर गंभीर असर डालते हैं बल्कि कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का भी कारण बन रहे हैं। प्रतिवर्ष करीब सात मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाते हैं। दुनियाभर में प्रदूषण को लेकर इस समय स्थिति इतनी बदतर है कि प्रत्येक दस में से नौ लोगों को शुद्ध हवा नसीब नहीं हो पाती और यदि समय रहते इन परिस्थितियों पर नियंत्रण करने में सफलता नहीं मिली तो यह तय है कि हमारे आने वाली पीढ़ियां जहरीली हवा में ही सांस लेकर जीवन के दिन काटने को विवश होंगी। प्रदूषण से पैदा होती विकराल वैश्विक स्थिति के बारे में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कार्यरत शिकागो के प्रो. माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि प्रदूषण किसी भी व्यक्ति के लिए ऐसी समस्या है, जिससे स्वयं को बचाने के लिए वह निजी श्तर पर कुछ विशेष नहीं कर सकता बल्कि यह एक सामूहिक प्रयास है।

प्रदूषण को लेकर विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक विश्व की करीब 75 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है, जहां वायु प्रदूषण का श्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। प्रदूषण से कम होती औसत आयु और लगातार बढ़ती शारीरिक व्याधियों को लेकर अब लगभग हर वर्ष चिंताजनक रिपोर्टें आ रही हैं। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (एक्यूएलआई) में तो चौंका देने वाला यह तथ्य भी सामने आया कि भारत के अलावा चीन में भी औसत आयु में कमी आने के पीछे वायु प्रदूषण सबसे बड़ा कारण है, जिसकी इसमें करीब 73 फीसदी भागीदारी है। एक्यूएलआई में औसत आयु पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर वायु प्रदूषण को दुनियाभर में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मत है कि प्रदूषण से उम्र पर पड़ने वाला प्रभाव धूम्रपान और टीबी जैसी बीमारियों से भी ज्यादा है और यदि प्रदूषण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों का सख्ती से पालन किया जाए तो लोगों की उम्र में कई वर्ष की बढ़ोतरी हो सकती है। चिंतनीय स्थिति यह है कि प्रकृति ने पृथ्वी को जितना खूबसूरत बनाया है, प्रदूषण से पृथ्वी प्रदत्त वह खूबसूरती बर्बाद हो रही है। दरअसल दुनिया जितनी तीव्र गति से विकास के मार्ग पर अग्रसर है, उससे भी तेज रफ्तार से प्रदूषण का श्तर बढ़ाने में भी योगदान कर रही है। ऐसे में संजीदगी से प्रदूषण की रोकथाम के गंभीर प्रयास करने की दरकार है क्योंकि यदि प्रदूषण को नियंत्रित नहीं किया गया तो हमारे आने वाली पीढ़ियां बेहद विषैली हवा में सांस लेने को विवश होंगी और इस दुनिया में जन्म लेते ही बच्चे तरह-तरह की बीमारियों के शिकार होंगे। बढ़ते वायु प्रदूषण, गर्म होती धरती और बीमारियों के विस्फोट ने साफ संकेत दे दिए हैं कि पृथ्वी अब और बोझ सहन नहीं कर सकती। यदि अभी कठोर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को हम एक ऐसी दुनिया सौंपेंगे, जहां सांस लेना भी संघर्ष होगा।

(लेखिका शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

घर में तोड़फाड़ कर करने वाले आधा दर्जन दबौचे

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बरला पुलिस टीम द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट कर लूट-पाट करने के मामले में आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने-चांदी के आभूषण और नगदी बरामद की है। थाना बरला पुलिस टीम द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट कर तोड़-फोड़ करते हुये सोने-चांदी के आभूषण और नगदी के साथ शातिर आरोपी हंसराज पुत्र नत्थूलाल,उमेश पुत्र गंगाप्रसाद, जगदीश उर्फ कालू पुत्र बाबूराम, भोला पुत्र बाबूराम, बृजेश पुत्र रामपाल सिंह, आलोक उर्फ विनोद पुत्र गंगा प्रसाद समश्त निवासीगण नगला खारी थाना बरला को थाना क्षेत्र बरला से गिरफ्तार किया गया है। शेष अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

अपना खोया हुआ मोबाइल पाकर लोगों के खिल उठे चेहरे

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी द्वारा सीईआईआर पोर्टल पर खोये/गिरे मोबाइलों से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए सर्विलांस की टीम को गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी हेतु दिये गये आदेश-निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील के निर्देशन में सर्विलांस सेल व थानों की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए।

अथक प्रयास से विभिन्न कम्पनियों के कुल 186 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन कीमत करीब 32 लाख 03 हजार 354 रुपये बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। एसएसपी द्वारा पुलिस लाइन स्थित पुलिस कार्यालय पर बरामद शुदा मोबाइलों को उनके वाश्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आवेदकों द्वारा अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसएसपी व सर्विलांस टीम को धन्यवाद प्रकट करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

सड़क किनारे मिले दो भाइयों के शव हादसा या हत्या?

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना सासनीगेट क्षेत्र के मथुरा रोड़ हाईवे पर शादी समारोह से लौट रहे दो भाइयों के शव सड़क किनारे पड़े मिले हैं। पुलिस मान रही है कि दोनों की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है जबकि परिजन को हत्या की आशंका है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पंचनगरी निवासी सत्य प्रकाश और रविंद्र दोनों भाई रविवार को एक शादी समारोह में गए थे। जब दोनों भाई शादी में से वापस लौट रहे थे तो उनकी अपने परिवार वालों से फोन पर बात हुई। अचानक फोन बंद हो गया। परिजनों को दोनों की चिंता होने लगी। सुबह सासनी गेट थाना इलाके के मथुरा हाईवे पर सड़क किनारे पड़े मिले। पुलिस के मुताबिक रात को किसी वाहन ने दोनों भाइयों को रौंद दिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। रात भर दोनों के शव वहीं पड़े रहे, सुबह राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों भाइयों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रात को शादी से लौटते समय दोनों भाइयों ने परिजनों से फोन पर बात की हैं। अचानक फोन बंद होने से परिजन उनके साथ कुछ अनहोनी की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। परिजनों को एक्सीडेंट नहीं मर्डर की संभावना नजर आ रही है।

स्वस्थ एवं ख़ुशहाल परिवार थीम पर होगा प्रचार-प्रसार :सीएमओ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सीएमओ कार्यालय परिसर में सोमवार परिवार नियोजन के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने एवं पुरुषों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रहे पुरुष नसबंदी पखवाड़े के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नीरज त्यागी ने सारथी प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष परिवार नियोजन कार्यक्रम की ''स्वस्थ एवं ख़ुशहाल परिवार पुरुष सहभागिता से होगा सम्पन्न'' थीम रखी गई है। सारथी प्रचार वाहन शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर पुरुष नसबंदी परिवार नियोजन के अस्थाई एवं स्थाई साधनों, महिलाओं के लिए उपलब्ध विकल्पों व इसके लाभ के बारे में सरल जानकारी प्रदान करेगा। वाहन के माध्यम से ऑडियो संदेश के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पुरुष नसबंदी एक सरल एवं प्रभावी प्रक्रिया है जो सामान्य दिनचर्या को प्रभावित नहीं करती है। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश खत्री, डॉ. बीके राजपूत, परिवार नियोजन नोडल अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार, आरसीएच नोडल डॉक्टर राहुल शर्मा, डीपीएम, डीसीपीएम, डीएफपीएलएम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोडिन युक्त संदिग्ध दवाओं के छह नमूने किए संग्रहित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर सोमवार को मंडल अलीगढ़ में कोडिन युक्त औषधियों की जांच अभियान चलाया गया।

सहायक आयुक्त (औषधि) अलीगढ़ मंडल एजाज अहमद एवं औषधि निरीक्षक दीपक लोधी की संयुक्त टीम ने फफाला बाजार स्थित अपना मेडिकल एजेंसी, यूके मेडिकल एजेंसी और डीके मेडिकल एजेंसी पर औचक निरीक्षण किया।

लखनऊ में बिजली के 1,13,758 डिफाल्टर... घर, दुकान और कार्यालय पहुंचेगा नोटिस, बिल चुकाने पर फायदा

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में गांव से लेकर शहर तक 1,13,758 बिजली डिफाल्टर चिह्नित हुए हैं। इन पर लगभग 842 करोड़ रुपये की देनदारी है। इनमें 72,748 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने बिजली तो जलाई, मगर बिल नहीं चुकाया, जबकि 41,010 उपभोक्ता बिजली चोरी के मामलों में पकड़े गए हैं। ऐसे सभी बकायेदारों के लिए पावर कॉर्पोरेशन बिजली बिल राहत योजना (एकमुश्त समाधान योजना) लेकर आया है।

एक दिसंबर से शुरू हो रहे पहले चरण में डिफाल्टरों के 100 प्रतिशत ब्याज माफ किए जाएंगे और मूल रकम पर भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सभी बकायेदारों के नोटिस तैयार होकर कार्यालयों तक पहुंच चुके हैं। सोमवार से इन नोटिसों को डिफाल्टरों के घर, दुकान, कार्यालय भेजने का काम शुरू हो जाएगा।

जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए शहर से लेकर गांव तक सभी जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण होगा। उपभोक्ता सिर्फ अपना खाता नंबर देकर यह जानकारी हासिल कर सकते हैं कि उन्हें एकमुश्त भुगतान या किश्तों में कितना लाभ मिलेगा।

बिजली चोरी में फंसे उपभोक्ताओं के लिए 50 प्रतिशत छूट : अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम के अनुसार, निगोहां से रहीमाबाद और बंथरा-हरौनी से आलमबाग तक कुल बिजली चोरी में फंसे 29,111 उपभोक्ताओं पर करीब 414 करोड़ रुपये बकाया है। पहले चरण में जुर्माना भरने पर 50 प्रतिशत, दूसरे में 45 प्रतिशत और तीसरे चरण में 40 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। यानी दो लाख रुपये का जुर्माना सिर्फ एक लाख में समाप्त हो सकता है।

प्रदेश के बिजली बकायदारों के लिए खुशखबरी, प्रदेश में लागू होगी बिल माफी योजना

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में सोमवार से शुरू हो रही बिजली राहत योजना में एक से 31 दिसंबर तक पंजीयन कराने वाले उपभोक्ताओं को सरचार्ज में पूरी और मूल बिल के बकाये में 25 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके बाद जनवरी में 20 फीसदी और फरवरी में 15 फीसदी छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रदेश में एमएलवी 1 (घरेलू) अधिकतम दो किलोवाट और एलएमवी 2 (वाणिज्यिक) एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को बिजली बिल बकाये में राहत दी जा रही है। एक से 31 दिसंबर तक मूलधन में 25 फीसदी और सरचार्ज में शत प्रतिशत छूट देने की व्यवस्था पहली बार की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जनकल्याणकारी कदम है। इसका सीधा लाभ आम नागरिकों

और छोटे बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। योजना का लाभ एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक उठा सकते हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बिजली बिल राहत योजना में कभी बिल जमा न करने वाले, लंबे समय से बिल नहीं जमा करने वाले और चोरी के प्रकरणों के समाधान वाले उपभोक्ताओं को शामिल किया गया है।

गांव-गांव उपभोक्ताओं से संपर्क कर पंजीयन कराएं अधिकारी : डॉ. गोयल

पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि उपभोक्ता से संपर्क कर उसे योजना की जानकारी दें। गांव-गांव मुनादी कराएं। बकाये का नोटिस दें। गांवों में जाकर बकायेदारों का पंजीयन कराएं। पंजीकरण के दौरान 2000 रुपये जमा करने होंगे। पंजीकरण कराते समय शेष बकाया विद्युत बिल का भुगतान करने के लिए विकल्प उपलब्ध होंगे, जिसमें से उपभोक्ता द्वारा एक विकल्प का चयन किया जाएगा। चेकिंग संख्या एवं उपभोक्ता अकाउंट आईडी अंकित करने पर छूट संबंधी सभी सूचना ऑनलाइन दिखेगी। योजना की जानकारी 1912 से भी ली जा सकती है।

दो नए एसटीपी बनेंगे, एक हफ्ते में शुरू होगा काम

लखनऊ , एजेंसी। गोमती नदी में प्रदूषण कम करने के लिए दो नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। फैजुल्लागंज से सटे लोनीपुरवा एसटीपी को मंजूरी मिल चुकी है और एक सप्ताह के अंदर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वहीं कुकरैल नाले के किनारे बनने वाले एसटीपी का प्रस्ताव तैयार है, जो राज्यस्तरीय तकनीकी समिति की मंजूरी मिलने के बाद करीब छह महीने में जमीन पर उतर जाएगा।

इन दोनों एसटीपी के चालू होने पर गोमती में गिरने वाला प्रदूषण काफी हद तक घटेगा। वर्तमान में शहर के 26 नालों में से 19 नालों को भरवारा और दौलतगंज एसटीपी से जोड़ा जा चुका है। सात बड़े नाले अभी भी सीधे नदी में गिरते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोमती को प्रदूषणमुक्त बनाने के निर्देश दिए थे। कोई बड़ा प्रोजेक्ट पास होकर नहीं आया है। यह दोनों प्रोजेक्ट पहले के हैं।

सीवर ज्यादा, एसटीपी कम : फिलहाल शहर में निकलने वाले कुल 790 एमएलडी गंदे पानी में से तीन एसटीपी मिलकर सिर्फ 520 एमएलडी का ही ट्रीटमेंट कर पाते हैं। यानी 270 एमएलडी सीवर पानी बिना शोधन सीधे गोमती में पहुंच रहा है। लोनीपुरवा और कुकरैल एसटीपी शुरू होने पर करीब 90 एमएलडी गंदा पानी कम जाएगा।

दिसंबर लगते ही प्रदेश में बढ़ी ठिठुरन और गलन, पछुआ हवाएं गिरा सकती हैं रात का तापमान; पूर्वानुमान जारी

लखनऊ , एजेंसी। दिसंबर लगते ही प्रदेश में ठंड की आवक हुई है। उत्तर प्रदेश में फिर से पछुआ हवाओं की वापसी से सोमवार से ठंड में बढ़ोतरी देखने को मिली। इधर रविवार को प्रदेश में दिन भर 25 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में पश्चिमी यूपी में दिन व रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। सोमवार से पूरे प्रदेश में ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बरेली सबसे ठंडा रहा । वहीं इटावा में रात का पारा 9.4 डिग्री और नजीबाबाद में 9.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी। मंगलवार को सुबह तराई समेत ज्यादातर इलाकों में सुबह शाम हल्के से मध्यम कोहरे का असर दिखाई देगा।

पछुआ हवाओं के जोर से बढ़ी गलन : राजधानी में रविवार को दिन भर तेज पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से धूप की तपिश कम हुई और दिन के तापमान में 1.1 डिग्री की गिरावट आई। शाम होने तक हवा में अच्छी खासी गलन महसूस की गई और शनिवार के मुकाबले रात भी सर्द रही। मौसम विभाग का कहना है कि लखनऊ समेत प्रदेश भर में ठंडी पछुआ के असर से अगले दो-तीन दिनों में दिन व रात के पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर राजधानी में भी दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

रविवार को दिन का तापमान 1.1 डिग्री की गिरावट के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का पारा 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

जीएलए का 14वां दीक्षांत समारोह को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज एवं अन्य हस्तियां करेंगी शिरकत

चित्र परिचय, जीएलए संस्थान एवं कुलाधिपति श्री नारायण दास अग्रवाल एवं कुलपति श्री अनूप कुमार गुप्ता

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) का 14वां दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर बुधवार को मनाया जाएगा। समारोह में वर्ष 2025 में विभिन्न पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित विशाल ऑडिटोरियम में होने वाले इस समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चौधरी द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों के सफल विद्यार्थियों को 21 गोल्ड मेडल, 21 सिल्वर मेडल और सेंटर ऑफ़ डिस्टेंस ऑनलाइन एजुकेशन की 1166 डिग्रियों सहित 5548 उपाधियां प्रदान करेंगे। साथ ही बीएससी ऑनर्स बायोटेक, बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स, बीए ऑनर्स अंग्रेजी, बीबीए फैमिली बिजनेस, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग, बीटेक बायोटेक, बीटेक ईसी, बीटेक ऑनर्स सीएस, सीएस सीसीवी, सीएस-सीएसएफ, बीकॉम ऑनर्स एलएलबी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री, एमफार्म फार्माकोलॉजी, फार्मास्युटिक्स, बीएड, डिप्लोमा फार्मेसी सहित डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 24 विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) से वर्ष 2025 में पीएचडी के 69, बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर 71, बीएससी ऑनर्स बायोटेक के 21, बीएससी ऑनर्स कैमिस्ट्री के 19, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के 11, बीए ऑनर्स अंग्रेजी के 23, बीबीए के 215, बीबीए ऑनर्स 147, बीबीए फैमिली बिजनेस 24, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग 10, बीकॉम ऑनर्स 59, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी 24, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 39, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 32, इलेक्ट्रॉनिक्स 5, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 41, एमई ऑटोमोबाइल एवं मेकाट्रॉनिक्स 2, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजी. 23, ईसी सीएस 34 एवं वीएलएसआई 9, कम्प्यूटर साइंस के 1138, बीटेक ऑनर्स सीएस 28, सीएस एआईएमएल 153, सीएस सीसीवी 25, सीएस डीए 34, सीएस सीएसएफ 24, सीएस आइआइओटी 7, बीसीए 476 एवं ऑनर्स 37, बीफार्म 77, बीएड 20, बीए एलएलबी ऑनर्स 42, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स 12, एमएससी एग्रीकल्चर एग्रोनॉमी, एंटोमोलॉजी एवं जीपीबी 3, एमएससी बायोटेक 10, माइक्रो एंड इम्यूनोलॉजी 5, एमएससी कैमिस्ट्री 11, गणित 4, फिजिक्स 3, एमटेक सीई स्ट्रक्चरल एवं ट्रांसपोर्टेशन 4, एमटेक सीएस 7, ईई 2, ईसी 2, एमटेक एमई प्रोडक्शन 3, एमबीए 604, एमबीए-बीए 25, ऑनर्स 30, एफएमबी 33, इंटेग्रेटेड 8, एलएससीएम 27, एमसीए 240, एमफार्म फार्माकोलॉजी एवं फार्मास्युटिक्स 25, एलएलएम बीएफआईएल एवं सीडीपीएल के 14 विद्यार्थियों की उपाधि अनुमोदित की गई है। इसके अलावा डिप्लोमा कैमिकल के 12, डिप्लोमा सिविल इंजी. के 29, डिप्लोमा सीएस के 79, डिप्लोमा ईई 68, डिप्लोमा ईसी के 15, डिप्लोमा एमई के 116, डिप्लोमा इन लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन साइंस के 7 तथा डिप्लोमा इन फार्मेसी के 45 विद्यार्थियों को डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

कुलपति ने बताया कि उपाधियों और स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद विशिष्ट अतिथि आईआईटी कानपुर भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर पद्मश्री एचसी वर्मा तथा सिप्ला हेल्थ लि. मुंबई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शिवम पुरी संबोधन देंगे। तत्पश्चात मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चैधरी दीक्षांत भाषण देंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल करेंगे।

शैक्षिक शोभायात्रा से होगी दीक्षांत समारोह की शुरूआत

दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत शैक्षिक शोभायात्रा के आगमन, दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से होगी।

तत्पश्चात कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल द्वारा दीक्षांत समारोह के प्रारम्भ की उद्घोषणा, कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति प्रतिवेदन, मानद उपाधि प्रदान करना, उपाधि प्रमाण पत्र वितरण, शपथ ग्रहण, पदक वितरण, मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षांत सम्बोधन, धन्यवाद ज्ञापन, कुलाधिपति महोदय द्वारा दीक्षांत समारोह के समापन की उद्घोषणा, राष्ट्रीयगान एवं शैक्षिक शोभायात्रा का प्रस्थान होगा।

75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई... बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के बेघर व बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में 75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई किए जाने पर सख्त रुख अपनाया है। इससे असंतुष्ट कोर्ट ने पहले के आदेशों के तहत उठाए गए कदमों की जानकारी अफसरों से मांगी है।

कोर्ट ने मामले में पूरे प्रदेश में समुचित कारवाई का आदेश अफसरों को दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश ज्योति राजपूत की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में राजधानी समेत प्रदेश के जिलों में मंदिरों, अस्पतालों, फुटपाथों आदि के पास रहने वाले बेघर, बेसहारा, मानसिक मंदित लोगों की पीड़ा के मुद्दे को उठाया गया है। याची ने ऐसे लोगों के समुचित इलाज समेत शरण देने के निर्देश जारी करने की गुजारिश की है। राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि 16 जिलों में 649 बेसहारा लोगों की पहचान की गई है और उनके पुनर्वास के लिए कदम उठाए गए हैं।

थापर नगर विवाद सुलझा, बातचीत से बनी सहमति, हिंदू परिवार खरीदेगा मकान

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के थापर नगर में मुस्लिम परिवार के मकान खरीदने का मामला रविवार को भी पूरे दिन गरमाया रहा। हालांकि व्यापारी नेता जीतू नागपाल की पहल पर शाम तक दोनों पक्ष विवाद निपटाने पर सहमत हो गए। तय किया गया कि सईद को बेचा गया मकान अब हिंदू परिवार खरीदेगा। सोमवार को इसकी रजिस्ट्री प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। समझौता होने के बाद व्यापारी नेता जीतू नागपाल ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

दरअसल, थापर नगर के रहने वाले अनुभव कालरा ने जली कोठी निवासी सईद को अपना मकान बेच दिया था। इसकी रकम लेकर अनुभव कालरा ने रजिस्ट्री भी करा दी थी। इसके बाद स्थानीय हिंदू परिवारों और अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने पलायन के पोस्टरों के साथ कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था कि यहां मुस्लिम परिवार को मकान में नहीं रहने दिया जाएगा।

इस मामले में शनिवार को अखिल भारतीय

हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही की अगुवाई में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सदर बाजार थाने में छह घंटे तक धरना दिया था। हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। विवाद दूर करने के लिए तीन दिन का समय देकर धरना स्थगित किया गया था। वहीं, वार्ता के लिए थाने बुलाए गए मकान के खरीदार सईद की हालत बिगड़ गई थी। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस प्रकरण में रविवार को पहले थापर नगर गली नंबर सात स्थित गुरुद्वारा सिंह गुरुनानक दरबार में बैठक हुई। इसमें सचिन सिरोही, भाजपा नेता नवीन अरोडा, जीतू सिंह नागपाल और थापर नगर के रहने वाले अन्य लोग शामिल हुए। इसमें जीतू नागपाल ने कहा कि वह जिम्मेदारी ले रहे हैं कि यह मकान हिंदू परिवार को ही दिलाएंगे।

इसके बाद शाम छह बजे जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में सोतीगंज में स्पेयर पार्ट्स की दुकान पर बैठक हुई। इसमें राहुल ठाकुर, वेदांत अरोड़ा, जीतू नागपाल और दूसरे पक्ष से सईद के चाचा कल्लू पहलवान, पार्षद शाहिद पहलवान और शाहबाज शामिल हुए।

जिला अस्पताल में जाना सईद का हाल

जिला अस्पताल में उपचार करा रहे सईद का हाल जानने के लिए युवा सेवा समिति के अध्यक्ष बदर अली पहुंचे। बदर अली ने कहा कि अनुभव कालरा ने अपनी मर्जी से मकान बेचा है। कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेवजह इस मुद्दे को तूल दे रहे हैं। पुलिस अधिकारियों से वार्ता हो गई है। उन्होंने कहा कि सईद के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद, बने को-लीडर; विश्व रैंकिंग में भी बनाए रखा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

विश्व रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति

ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.4 श्क्ष्यश अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को विश्व कप 2025 के तीसरे दौर से बाहर होने के बाद रैंकिंग में गिरावट का सामना करना पड़ा और वह अब टॉप-10 में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टॉप 30 में भारतीय उपस्थिति

वर्तमान में विश्व के टॉप 30 खिलाड़ियों में केवल पांच भारतीय शामिल हैं। पेंटाला हरिकृष्णा ने विश्व कप में अपने करियर की बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हुए 3 श्क्ष्यश अंक जोड़े। वहीं प्रणव वेंकटेश ने भी स्थिर प्रदर्शन करते हुए अपनी रेटिंग बरकरार रखी।

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू! तेलंगाना के मुख्यमंत्री करेंगे फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत

हैदराबाद, एजेंसी। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री ने पुष्टि की थी कि वह भारत में होने वाले GOAT Tour to India 2025 के तहत मेसी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हैदराबाद उनका दूसरा पड़ाव होगा, इससे पहले वह कोलकाता पहुंचेंगे। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत करेंगे। यह मैच 13 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

सरकारी जश्न का हिस्सा होगा फुटबॉल मुकाबला

यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

रेवंत रेड्डी की फुटबॉल पसंद फिर आई सामने

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि खेल के मैदान में भी सक्रिय रहे हैं। वह खुद फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं और हाल ही में उन्होंने खिलाड़ियों के साथ अभ्यास भी किया। इससे पहले उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ दोस्ताना मैच भी खेला था।

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में भी होंगे बड़े नाम

राज्य सरकार 1 से 13 दिसंबर तक दो साल पूरे होने का जश्न मनाने जा रही है। इसी दौरान रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट (8-9 दिसंबर) के लिए आमंत्रित करेंगे। इस समिट का आयोजन प्रस्तावित भारत फ्यूचर सिटी में होगा। इस दौरान राज्य की विकास योजनाओं पर आधारित तेलंगना राइजिंग विजन डॉक्यूमेंट 2047 भी जारी किया जाएगा।

श्रीकांत के हाथ लगी निराशा

त्रीसा-गायत्री लगातार दूसरी बार चैंपियन

लखनऊ, एजेंसी। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई। लखनऊ में खेले गए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को खुशी और दर्द दोनों की झलक मिली। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई।

श्रीकांत की दिल तोड़ने वाली हार

2017 के फ्रेंच ओपन के बाद से कोई खिताब नहीं जीत पाए किदांबी श्रीकांत फाइनल में जीत के बेहद करीब थे, लेकिन हांगकांग के विश्व नंबर 59 जेसन गुनावन ने 67 मिनट के रोमांचक मुकाबले में उन्हें 16-21, 21-8, 20-22 से हराकर उनकी उम्मीदें तोड़ दीं।

IPL 2026: RCB के होम ग्राउंड पर लगा ताला, सुरक्षा क्लीयरेंस के बिना नहीं होगा कोई मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 मैचों का आयोजन अब संदेह के घेरे में है। राज्य सरकार ने स्टेडियम की संरचनात्मक सुरक्षा की विस्तृत जांच अनिवार्य कर दी है। यह फैसला इसी साल जून में हुए दर्दनाक भगदड़ हादसे के बाद लिया गया है।

सुरक्षा रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य

लोक निर्माण विभाग ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को नोटिस जारी कर कहा है कि स्टेडियम की विस्तृत और प्रमाणित सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

यह रिपोर्ट प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जानी चाहिए, ताकि तकनीकी मानकों का सही आकलन किया जा सके। 17 एकड़ भूमि पर बने इस स्टेडियम को दर्शक दीर्घाओं सहित पूरे ढांचे की मजबूती साबित करनी होगी। सरकार ने साफ किया है कि स्वतंत्र जांच के बाद ही आईपीएल मैचों की मंजूरी दी जाएगी।

स्टाम्पीड के बाद से चिन्नास्वामी में मैच बंद

जून में हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यह दुर्घटना आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। इसके बाद जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुवाई वाली स्वतंत्र समिति ने स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए 'असुरक्षित' घोषित किया था। समिति ने चेतावनी दी थी कि यहां बड़े कार्यक्रम कराना भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिहाज़ से 'अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करता है।

महिला विश्व कप और टी20 विश्व कप की मेजबानी भी छिनी

रिपोर्ट आने के बाद बीसीसीआई ने बेंगलुरु से महिला वनडे विश्व कप और पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी भी वापस ले ली। यह मैच अब नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को दिए गए हैं।

आरसीबी का घरेलू किला भी असुरक्षित घोषित

आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी का घरेलू मैदान रहा चिन्नास्वामी, दर्शकों के लिए भारत के सबसे रोमांचक और शोरगुल वाले स्टेडियमों में माना जाता है। लेकिन सुरक्षा प्रमाणन मिलने तक यहां बड़े मैचों की वापसी फिलहाल मुश्किल दिख रही है।

'कोहली-रोहित के बिना 2027 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते...'

इस भारतीय दिग्गज ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ओडीआई फ्यचूर को लेकर हालिया समय में काफी अटकलें लगी हैं. दोनों टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कई क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे.

तब तक कोहली की उम्र करीब 39 साल जाएगी. वहीं रोहित शर्मा तब तक 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे.

अब रांची वनडे में दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने यह बहस खत्म कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में विराट कोहली ने शानदार 135 रन बनाए. वहीं रोहित शर्मा के बल्ले से 57 रन निकले. रोहित-कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके दम पर भारत ने 349 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. भारत ने इस मैच को 17 रनों से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. इस एक साझेदारी ने दिखा दिया कि रोहित-कोहली अभी भी पहले जैसे ही खतरनाक हैं. अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इन दोनों स्टार बल्लेबाजों की जमक तारीफ की है. श्रीकांत का कहना है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप रोहित और कोहली के बिना भारतीय टीम जीत ही नहीं सकती.

'दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार...'

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रोहित और कोहली अलग ही लेवल पर खेल रहे हैं. क्रिकेट के इस दौर में इतने कठिन मैच खेलना आसान नहीं है. लेकिन वे दोनों सिर्फ एक फॉर्मेट खेलकर भी अपनी फिटनेस और मानसिकता बेहतरीन बनाए हुए हैं. इन दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार है. 2027 वर्ल्ड कप जीतना है तो रोहित और विराट टीम में होने ही चाहिए.'

अजलान शाह हॉकी कप

फाइनल में भारत को 1-0 से हराया

बेल्जियम ने जीता अजलान शाह हॉकी का खिताब

कुआलालंपुर, एजेंसी। जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। बेल्जियम ने रविवार को रोमांचक फाइनल में भारत को करीबी मुकाबले में 1-0 से हराकर सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत को मैच के 34वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स के गोल के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह बेल्जियम का पहला सुल्तान अजलन शाह खिताब है। टीम सिर्फ दूसरी बार इस प्रतियोगिता में खेल रही थी। शनिवार को कनाडा के खिलाफ 14-3 की बड़ी जीत के बाद इस मैच में उतरा भारत दुर्भाग्य से तीन पेनल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदला सका। जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। लीग चरण में यूरोपियन टीम के खिलाफ 2-3 से हारने के बाद यह इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी हार थी। मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से आराम लेने के कारण जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी जिन्होंने हार के अंतर को कम रखकर अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने रणनीति खेल दिखाया जिसमें बेल्जियम ने गेंद को अधिक समय अपने पास रखकर बेहतर शुरुआत की। उनके आक्रामण ने दोनों छोर से भारतीय रक्षा पंक्ति को परेशान किया और भारतीय गोलकीपर को कुछ करीबी बचाव करने पड़े। बेल्जियम को शुरुआत में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत ने इन्हें नाकाम कर दिया। भारत ने धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल की लेकिन बेल्जियम ने उन्हें मिडफील्ड में बेहतर नियंत्रण बनाकर परेशान किया। मध्यांतर तक दोनों ही टीम गोल का खाता खोलने में नाकाम रहीं। बेल्जियम ने दूसरे हाफ में बेहतर लय में खेलकर भारत पर दबाव डाला।भारत ने भी कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन तीसरे क्वार्टर में भी बेल्जियम के डिफेंस को मात नहीं दे सके। इस बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स के गोल ने भारत को दबाव में डाल दिया। आखिरी क्वार्टर में भारत ने स्कोर बराबर करने की बहुत कोशिश की लेकिन बेल्जियम के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नहीं। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, 'हां, और हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं। कोहली ने समझाया, 'अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है। विराट ने रांची वनडे में 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली। विराट का यह 52वां वनडे शतक था। इस पारी में विराट ने 7 छक्के और 11 चौके लगाए और मैच में भारत को 17 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें उनकी बेहतरीन शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शुभमन गिल का आया हेल्थ अपडेट, कब थामेंगे बल्ला और मैच में होगी वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होने वाली है। इस सीरीज से पहले भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस पर बड़ा अपडेट आया है। इस बात से हर कोई वाकिफ है कि शुभमन गिल चोटिल चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें गर्दन में परेशानी हुई थी, जिसके बाद वह अस्पताल में भी भर्ती हुए थे। शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट और अब 3 मैचों की वनडे सीरीज भी नहीं खेल पाए।

- **रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु जाएंगे शुभमन गिल–** एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन गिल 1 या 2 दिसंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच जाएंगे। वहां पर वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में गिल बल्लेबाजी भी शुरू कर सकते हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखेगी। ऐसा पता चला है कि चंदीगढ़ (परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए) रवाना होने से पहले मुंबई में शुभमन गिल ने फीजियोथेरेपी सेशन लिए थे।
- **टी20 सीरीज में कर सकते हैं वापसी–** शुभमन गिल की साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी करने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में साफ हो जाएगा कि शुभमन टी20 सीरीज भी खेलेंगे या नहीं। गिल को हाल ही में टेस्ट और वनडे की कप्तानी सौंपी गई है।